The Lok Sabha re-assembled after Lunch at three minutes past Fourteen of the Clock

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

RE : STRIKE BY SOME RAILWAYMEN

MR DEPUTY SPEAKER Now, Shri Chandrajit Yadav

श्री भोगेन्द्र झा (जयनगर) . उपाध्यक्ष महोदय, एक मिनट दीजिए। 14 महीने पहले उत्तर रेलवे मे 10 हजार मजदूरो की हडताल हुई और श्रम मत्री ने लिखित आश्वासन दिया था कि हडताल वापस ले लो तो विक्टेमाइजशन नही होगी और उनकी मागो पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जाएगा। फैसला हो गया लेकिन उनकी मांगें पूरी नही की गई है और 4500 रेलवे कर्मचारी विक्टेमाइज्ड ह और 55 सस्पेंडेड हैं और बाकी का ब्रेक इन सर्विस हो गया है।

MR. DEPUTY-SPEAKER So, what does the hon. Member want now ?

श्री भोगेन्द्र झा . मेरा आग्रह यह है कि आप रेलवे मत्री से कहें, श्रम मत्री से कहें कि लिखित आश्वासन का खुला उल्लघन क्यो हो रहा है। अभी वहा पर हजारो मजदूर भूख-हड़ताल पर बैठे हुए हैं। इसलिए हमारा आग्रह है कि आप आदेश दें कि श्रम मत्री और रेलवे मत्री इस बात पर अपना ध्यान दें और कम से कम जो लिखित आश्वासन है, उसका पालन हो।

MR. DEPUTY-SPEAKER · Order

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) · वहां पर रिले भूख हडताल चल रही है और रेल-कर्मचारी वहा पर आज से इनडेफनीट हंगर स्ट्राइक पर है। (व्यवधान)

14.05 hrs.

MOTION OF THANKS ON THE PRESIDENT'S ADDRESS—*CONTD.*

श्री चन्द्रजीत यादव (आजमगढ़) : माननीय उपाध्यक्ष जी, सन् 1967 के बाद पिछले चार-पाच वर्ष बाद हमारे देश की राजनीति में बहुत ही महत्वपूर्ण परिवर्तन और उथल-पुथल के वर्ष रहे है, विशेषकर पिछला एक वर्ष देश के राष्ट्रीय जीवन मे एतिहासिक महत्वपूर्ण घटनाओ का वर्ष रहा है। देश की जनता ने प्रधानमत्री इन्दिरा गाधी के नेतृत्व में जिस साहस, धैर्य, एकता और दूरदर्शिता से अपने जीवन की और राष्ट्रीय समस्याओ का सामना किया है, वह हमारे देश की एक अभूतपूर्व घटना है। पिछले दो वर्ष मे विशेष रूप से जो घटनाए हुई है, उनसे देश की जनता का मनोबल, देश की जनता का आत्मविश्वास, देश की जनता का साहस और उसकी एकता उभरकर बहुत ही आगे आई। सच कहिए तो एक नया भारत जन्म ले रहा है, जिसमे जनता अपने जीवन के अधिकारो के लिए, अपने कर्त्तव्य के लिए और अपने राष्ट्रीय हितो के लिए कृत-सकल्प दिखाई पडती है। यह एक ऐसा समय है कि अगर हम इस उत्साह को, इस एकता को, जनता के इस मनोबल को और उसके आत्म-विश्वास का ठीक से उपयोग करें, अपने राष्ट्र के निर्माण के लिए, पुनर्निर्माण के लिए, राष्ट्रीय जीवन की उन विषमताओ को दूर करने के लिए जिनसे हमारा समाज पीड़ित रहा है, तो मुझे इस बात मे तनिक भी सदेह नही है कि हमारे देश का भविष्य उज्ज्वल होगा और हमारे देश की जनता अपने उस सपने को साकार कर सकती है जिसके लिए वर्षों से हम अपने राष्ट्रीय जीवन में संघर्ष करते रहे हैं, गरीबी मिटाने का सघर्ष, देश की जनता की आर्थिक और सामाजिक विषमताओं को दूर करने का संघर्ष, देश और समाज से शोषण को समाप्त करने का संघर्ष, देश को मजबूत और गौरवशाली बनाने का संघर्ष। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आज हमारे देश की जनता ने जिस राजनीतिक बुद्धि और बुद्धि की परिपक्वता का परिचय दिया है और जिस सूझबूझ और समझ-